क्र. संख्या	पाठ्यक्रम का नाम	विषय का नाम	पाठ्यक्रम की अवधि	निर्धारित स्थान/सीट	योग्यता
1.	शास्त्री	व्याकरण	3 वर्ष	50 (प्रति विषय)	विशारद/ 10+2/ समकक्ष

- **भविष्य में रोजगार के अवसर –**
  1. भारतीय प्रशासनिक सेवाओं में अवसर ।
  2. शब्दकोष संस्थानों में निदेशक एवं संपादक के रूप में अवसर ।
  3. विभिन्न ग्रन्थ अकादमियों में शब्दों के विश्लेषक के रूप में रोजगार का अवसर ।
  4. अनुसन्धान संस्थान एवं पाण्डुलिपिओं के सम्पादनार्थ विभिन्न विभागों में रोजगार का अवसर ।
  5. देश-विदेश के विभिन्न विभागों में अनुवादक, लेखक तथा सम्पादक के रूप में रोजगार का अवसर ।
  6. शास्त्री के साथ कर्मकाण्ड का डिप्लोमा करके भारतीय सेना में धर्मगुरु (J.C.O.) बनने का अवसर ।
  7. पांरम्परिक संस्कृत गुरुकुल एवं महाविद्यालय में व्याकरण आचार्य के पद पर कार्य करने का अवसर ।
  8. शास्त्री के बाद शिक्षाशास्त्री (बी.एड.) करके विद्यालयों में टी.जी.टी., पी.जी.टी. संस्कृत अध्यापक एवं प्रवक्ता का अवसर ।
  9. व्याकरणिक अध्ययन, अनुसन्धान तथा प्रकाशन से संबन्धित स्वतन्त्र संस्थाओं में निदेशक के रुप में कार्य करने का अवसर ।
  10. शास्त्री के बाद स्नातकोत्तर एवं नेट / पीएच्. डी. करके महाविद्यालयों / विश्वविद्यालयों में सहायक आचार्य (Assistant Professor) बनने का अवसर ।